आर.एन.आई.नं. RAJBIL/2010/52404

शान्ताकारं भुजगशयनं पद्मनाभं सुरेशं, विश्वाधारं गगनसदृशं मेघवर्णं शुभाङ्गम् ।
लक्ष्मीकान्तं कमलनयनं योगिभिर्ध्यानगम्यं, वन्दे विष्णुं भवभयहरं सर्वलोकैकनाथम्।।

सेवा सौभाग्य

पू. कैलाश जी 'मानव' मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 161 मुद्रण तारीख » 1 मई 2025 कुल पृष्ठ » 20

दान से अक्षय पुण्य
प्राप्ति का पुनीत पर्व

शुभ
अक्षय
तृतीया

100 गरीब
पीड़ितजन को
करायें भोजन....
प्राप्त करें अक्षय फल

दिनांक
30 अप्रैल
2025

निर्जला एकादशी

सर्वोत्तम फलदायी

दिनांक 6 जून 2025

वर्षभर में चौबीस एकादशियां होती हैं। इन सब में ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष की निर्जला एकादषी सर्वोत्तम फल देने वाली है। केवल इस एकादशी का व्रत रखने से ही वर्षभर की एकादशियों के व्रत का फल प्राप्त हो जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा और निराहार - निर्जल व्रत के साथ ब्राम्हणों, गरीबों और पीड़ितों को दान का बड़ा महत्व है। इस एकादशी पर भगवान वेदव्यास के कहने पर वृकोदर भीमसेन ने भी व्रत रखा था। अतएव इसे भीमसेनी एकादशी भी कहा जाता है।

Donate via UPI

₹5000

narayanseva@sbi

अधिक जानकारी हेतु सम्पर्क करें +91 294 662 2222 +91 7023509999

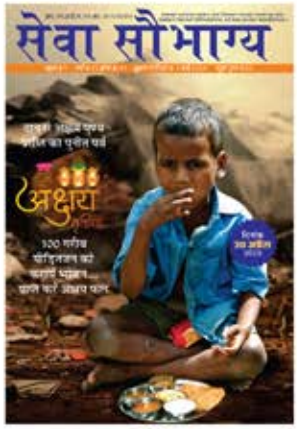

सेवा सौभाग्य

मुद्रण तारीख » 1 मई 2025
कुल पृष्ठ » 20

मूल्य » 5 वर्ष » 13 अंक » 161

सम्पादक मंडल

मार्ग दर्शक » कैलाश चन्द्र अग्रवाल
सम्पादक » प्रशान्त अग्रवाल
सहयोग » विष्णु शर्मा हितैषी
भगवान प्रसाद गौड़
डिजाइनर » विरेन्द्र सिंह राठौड़

सम्पर्क (कार्यालय)

NARAYAN SEVA SANSTHAN
Nar Seva Narayan Seva

Sewa Parmo Dharm
MAKE GIVING YOUR HABIT

483, 'सेवाधाम' सेवा नगर,
हिरण मगरी, सेक्टर-4,
उदयपुर (राज.) 313002, भारत
फोन नं. +91-294-6622222,
वाट्सऐप: +91-7023509999
Web www.spdtrust.org
E-mail info@spdtrust.org

Seva Soubhagya Print Date 1 May, 2025
Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404
Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025.
Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur,
Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 20 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-

CONTENTS

इस माह में

बुद्ध पूर्णिमा पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं
सम्मानित पाठक बन्धुओं के लिए

लोक कल्याण ही ज्ञान का सार

दिव्यांगों की प्रेरणादायी मैत्री

आस्था में आशा का संचार

हनुमानगढ़ी महंतश्री ने देखी नारायण सेवा

दिव्यांग कन्याओं का पूजन

अन्तर्राष्ट्रीय सेवा अवार्ड समारोह

धैर्य और समर्पण में सफलता

सेवक प्रशांत भैया

"

सकारात्मक सोच सफलता प्राप्त करने की सीढ़ी है। अच्छा सोचेंगे तो अच्छा ही होगा। जो सपने देखते है ही उन्हें हकीकत में बदल सकते हैं। भारतवंशी अन्तरिक्ष विज्ञानी सुनीता और अमेरिकी बुच विल्मोर की तरह।

"

प्रायः ऐसा होता है कि जो जिस काम में है, वह अपने काम से खुश नहीं होता। नौकरीपेशा को व्यापार में तथा व्यापारी को नौकरीपेशे में अधिक लाभ दिखाई देता है। नौकरीपेशा को जीवन पराधीन लगता है। व्यवसायिक को घाटे की चिंता रहती है और दुकान-प्रतिष्ठान में बैठक भी ज्यादा करनी होती है। किसान को लगता है कि खेती से आमदनी कम तथा परिश्रम अधिक करना पड़ता है। यदि इस तरह हर व्यक्ति अपने-अपने कार्य में असंतोष ही अनुभव करता रहेगा तो सफलता कैसे उसके द्वार पर दस्तक देगी। यदि हम जीवन में खुशी चाहते हैं तो धैर्य, समर्पण और संकल्प के साथ अपने कार्य में दत्तचित रहें, उससे प्यार करें, उसे श्रेष्ठ माने, क्योंकि कर्म ही पूजा है। हमारे सामने ऐसे अनेक ऋषि-महर्षियों और महापुरूषों के उदाहरण मौजूद हैं, जिन्होंने समाज में सेवा, संकल्प, समर्पण और आत्मविश्वास से उच्च स्थिति को प्राप्त करते हुए अपनी विश्वसनीयता को तो कायम किया ही समाज को अपने अवदान से लाभान्वित भी किया। हमारे सामने ताजा उदाहरण उन दो अंतरिक्ष वैज्ञानिकों का है जो पिछले वर्ष 5 जून को मात्र 8 दिन के लिए नासा के स्टारलिंक यान से पृथ्वी से हजारों मील ऊंचाई पर स्थित अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचे थे और कुछ प्रयोगों के बाद उन्हें वापस लौटना था। लेकिन यान में खराबी के कारण करीब 9 माह तक उन्हें कठिन परिस्थितियों में अंतरिक्ष स्टेशन पर ही अटके रहना पड़ा। सोचिये इस दौरान उनके मनोमस्तिष्क में जीवन को लेकर कितने संशय और सवाल उठे होंगे लेकिन उन्होंने बहुत धैर्य, साहस और दृढ़ता का परिचय दिया। यह वैज्ञानिक थे भारतवंशी सुनीता विलियम्स और अमरीकी बुच विल्मोर। इनकी वापसी को सुनिश्चित करने के लिए नए यान का निर्माण हुआ और 19 मार्च 2025 को इनकी सकुशल वापसी हो सकी। यहां यह उल्लेखनीय है कि अंतरिक्ष विज्ञानी भारतवंशी कल्पना चावला ने ऐसे ही एक मिशन के दौरान अपने प्राणों की आहुति भी दे दी थी। उन्हें दुनिया याद करती है। बंधुओं! उक्त दोनों यात्रियों ने इन नौ माह में अपने-आपको अत्यंत सूक्ष्म, गुरूत्वाकर्षण में ढाला और जीवन की परवाह किए बिना साहस और हौसले से वहां सफलतापूर्वक 150 प्रयोग किए। इन्हें धरती पर आने के बाद यहां के परिवेश में ढलने के लिए करीब 45 दिन क्वारेन्टाइन रहना होगा। बंधुओं! यह ध्रुव सत्य है कि 'जो धैर्य, संकल्प व पूर्ण आत्मविश्वास के साथ अपने कार्यों को अंजाम देता है उसकी सफलता निश्चित है। भगवान भी उनकी सहायता करते हैं। सकारात्मक सोच सफलता प्राप्त करने की सीढ़ी है। अच्छा सोचेंगे तो अच्छा ही होगा। जो सपने देखते हैं वे ही उन्हें हकीकत में बदल सकते हैं। भारतवंशी अन्तरिक्ष विज्ञानी सुनीता विलियम्स और अमेरिकी बुच विल्मोर की तरह।

जीवन को जीत गए कर्ण

पूज्य श्री कैलाश 'मानव'

"बन्धुओं! हमारे समाज में जिनके पास बहुत कुछ है, किंतु उनकी इच्छाएं और आवश्यकताएं सीमाहीन हैं। जो पास में है, उसका दुगना चाहिए.....दुगने का चौगुना चाहिए। दूसरी तरफ कर्ण जैसे लोग भी हैं, जो दूसरों की खुशी के लिए देना ही जानते हैं। वे विरले ही हैं-साधु हैं। उन्हीं का जन्म सुधरता है और परमपिता की कृपा प्राप्त होती है। कर्ण अपने प्रति अहसान के वशीभूत अनायास अधर्म के पक्ष में गए और युद्ध में हारे भी किंतु स्वयं ने अपना धर्म नहीं छोड़ा। यही वजह है कि वे जीवन को जीत गए।"

महाभारत के युद्ध का सत्रहवां दिन समाप्त हुआ। महारथी कर्ण रणभूमि में गिरे पड़े थे। पांडव शिविर में उत्साह था। लेकिन श्रीकृष्ण खिन्न थे। वे बार-बार यही कह रहे थे -'आज पृथ्वी से सच्चा दानवीर उठ गया।' पास ही खड़े अर्जुन श्रीकृष्ण से अपने प्रतिद्वंदी की प्रशंसा सुनकर मन ही मन नाराज थे। श्रीकृष्ण ने उनके हाव-भाव को ताड़ लिया और बोले -'पार्थ देखता हूं कि तुम्हें मेरी बात ठीक नहीं लग रही। आओ! मेरे साथ चलो और दूर से ही देखना कि वे अंतिम समय में भी 'दान' देने के लिए कितने उतावले हैं।' रात्रि के गहन अंधकार में रणभूमि में गीदड़ों का शोर और घायलों की कराह गूंज रही थी। अर्जुन को श्रीकृष्ण ने उस स्थान से कुछ दूर छोड़ दिया, जहां दानवीर कर्ण भूलुंठित थे। कुछ देर बाद अर्जुन को आहत पड़े कर्ण के आसपास एक ब्राह्मण यह पुकारता दिखाइए दिया कि-'कर्ण! कहां हैं आप दानी कर्ण?' मुझे कौन पुकारता है? कौन हो भाई!' भूमि पर गंभीर रूप से आहत पड़े कर्ण ने बड़े कष्ट से कहा। ये श्रीकृष्ण ही थे जो ब्राह्मण वेश में कर्ण के समीप आए और बोले - 'मैं बड़ी आशा से तुम्हारा यश सुनकर यहां आया हूं। मुझे थोड़ा सा स्वर्ण चाहिए -बहुत थोड़ा सा।' कर्ण ने कहा 'ब्रह्मदेव आप मेरे घर पधारें। मेरी पत्नी आपको जितना चाहेंगे, उतना स्वर्ण देगी।' श्रीकृष्ण तो अर्जुन को पाठ पढ़ाना चाहते थे। वे कर्ण की बात सुनकर बिगड़ उठे। बोले - 'नहीं देना है तो ना दो किन्तु इधर-उधर दौड़ोओ मत। मैं कहीं नहीं जाऊंगा। मुझे तो सरसों के जितना स्वर्ण चाहिए।' कर्ण ने कुछ सोचा और बोले-'मेरे दांतों में स्वर्ण लगा है। आप कृपा कर निकाल लें।' ब्राह्मण ने घृणा से मुख सिकोड़ा -तुम्हे लज्जा नहीं आती एक ब्राह्मण से यह कहते कि वह जीवित मनुष्य के दांत तोड़े।' उसकी बात पूरी होते ही कर्ण ने इधर-उधर देखा कुछ ही दूर उन्हें एक पत्थर दिखाई दिया। किसी प्रकार घिसटते हुए वहां पहुंचे और पत्थर पर अपना मुंह दे मारा। दांत टूट गया। उन्हें हाथों में लेकर बोले इन्हें स्वीकार करें, ब्रह्मणदेव! छिः! रक्त से सनी अस्थि। ब्राह्मण के पग पीछे हट गए। कर्ण ने कमरबंदी से कटार निकाल कर दातों से स्वर्ण को अलग कर दिया फिर भी ब्राह्मण ने उसे अपवित्र बताया। तब कर्ण ने उन्हें पास ही पड़े अपना धनुष उठाकर देने को कहा। ब्राह्मण ने ऐसा करने से भी इंकार कर दिया। कर्ण रेंगते हुए धनुष तक पहुंचे। अत्यंत कष्ट पूर्वक किसी प्रकार उन्होंने धनुष पर कमान चढ़ाई और उसे पर बाण रखा और वरूणास्त्र से जल प्रकट करके स्वर्ण को धो डाला। जब विनय पूर्वक वह ब्राह्मण देव को देने लगे तभी श्रीकृष्ण अपने वास्तविक रूप में प्रकट हुए और बोले -'वर मांगो, वीर! दूर खड़े अर्जुन इस दृश्य को देखकर लज्जित हुए। कर्ण ने कहा -'त्रिभुवन के स्वामी देहत्याग के समय मेरे सम्मुख हैं, अब मांगने को रह क्या गया है?

लोक कल्याण ही ज्ञान का सार

आत्मा-परमात्मा और प्राणी का उनसे सम्बंध ज्ञान का एक महत्वपूर्ण सोपान तो है, लेकिन विराम नहीं। जीवन में सुख - शांति के लिए परिवार, समाज राष्ट्र और विश्व के प्रति अपने दायित्व पर विचार व मंथन करना भी उतना ही आवश्यक है। भगवान बुद्ध की जयंती वैशाखी पूर्णिमा के परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत है एक बोध कथा। जिसमें भगवान बुद्ध ने लोक कल्याण की भावना को ही ज्ञान का सार कहा है। महात्मा बुद्ध सदैव की तरह प्रवचन दे रहे थे। प्रवचन के पश्चात लोग उनके सामने अपने प्रश्न और समस्याएं रखते, जिनका वे यथोचित समाधान भी करते।

एक दिन एक व्यक्ति बुद्ध के पास आया। वह बहुत परेशान और दुखी था। उसकी परेशानी का कोई एक कारण नहीं था। उसके दिमाग में अकसर तरह-तरह के प्रश्न उठते थे, जिनका उसे कोई समाधान नहीं मिल रहा था।

बुद्ध ने युवक से पूछा कि कहो ! तुम्हारी समस्या क्या है? क्या जानना चाहते हो? युवक ने बुद्ध के आगे सिर झुकाते हुए कहा कि मैं बहुत परेशान हूं। जीवन के कुछ ऐसे प्रश्न हैं, जिनका उत्तर मैं खोज नहीं पा रहा हूं। बुद्ध ने शांत भाव से उसकी ओर देखते हुए कहा, 'क्या प्रश्न हैं तुम्हारे?' युवक ने बुद्ध की ओर कातर भाव से देखते हुए कहा कि जैसे-क्या ईश्वर का अस्तित्व है? आत्मा क्या है? इंसान मृत्यु के पश्चात कहां जाता है? स्वर्ग-नर्क क्या है? सृष्टि का निर्माण किसने किया? मेरे ऐसे अनेक प्रश्न हैं, जिनका मुझे उत्तर नहीं मिल रहा है।

तभी कुछ और ग्रामवासी आए। वे सभी वहां शांत भाव से बैठ गए। बुद्ध ने उनकी भी समस्याएं सुनीं और उनको उनका समाधान भी बताया। बुद्ध बहुत धैर्यपूर्वक और शांत भाव से सभी को संतुष्ट कर रहे थे। लेकिन वह युवक यह सब देखकर परेशान हो रहा था। उसने बुद्ध से पूछ ही लिया कि इन सांसारिक प्रश्नों में उलझने से अपका क्या लेना देना ? आप तो महात्मा हैं। आप इनके दुखों से क्यों दुखी हो रहे हैं?

बुद्ध ने युवक की ओर शांत भाव से देखते हुए कहा, 'मैं ज्ञानी नहीं हूं। मैं भी इनकी तरह ही इनसान हूं। इनके सुख-दुख, मेरे सुख-दुख हैं। इसलिए मैं इनके दुख से दुखी हूं। मेरा मानना है कि वह ज्ञान किस काम का जो इनसान को अहंकारी और आत्मकेंद्रित बना दे। जो दूसरों के बारे में सोचे ही नहीं। उसकी चिंता ही नहीं करे। ऐसे ज्ञानी से वह अज्ञानी भला, जिसके भीतर लोक कल्याण की भावना हो। मेरी दृष्टि में ज्ञान का सार लोक कल्याण करना है। असली ज्ञान लोक कल्याण ही है।'

दिव्यांगों की प्रेरणादायी मैत्री

बिहार के युवा नीतीश कुमार भारतीय सेना में प्रवेश का सपना पाले हुए पूरी शिद्दत से तैयारी में जुटे थे। लेकिन नियति कुछ ओर ही थी। एक पारिवारिक यात्रा के दौरान रेल हादसे में उन्हें अपना एक पैर गंवाना पड़ा। इस हादसे के साथ ही उनका सपना भी बिखर गया। निराशा के भंवर में फंसा उनका मन तो रोता ही था, जब-तब आंखों से भी आंसू बह निकलते। परिवार भी उनकी यह हालत देखकर दुःखी था। कृत्रिम पांव ही एकमात्र विकल्प था, किंतु गरीब परिवार खर्च के आगे मन मसोसकर रहा गया। कुछ समय बीता - टीवी पर नारायण सेवा संस्थान द्वारा निःशुल्क पोलियो सर्जरी, कृत्रिम अंग व कैलिपर्स देने की जानकारी मिलने पर उम्मीद की किरण को समेटे नीतीश अपने परिजन के साथ उदयपुर आए। यहां संस्थान में उनकी मित्रता मध्य प्रदेश के सिंगरौली से आए हम उम्र सागर पटेल से हुई। उनकी आपबीती भी वैसी ही थी। एक सड़क हादसे ने उनसे घुटने तक एक पैर के साथ रोजगार भी छीन लिया। संस्थान में डॉक्टरों ने दोनों के लिए कृत्रिम अंग बनाएं। इस दौरान दोनों ने ही रोजगार से जुड़ने के लिए संस्थान के कौशल प्रशिक्षण केंद्र में निःशुल्क त्रैमासिक कंप्यूटर प्रशिक्षण कोर्स पूर्ण किया। इस दौरान दोनों के कृत्रिम अंग भी तैयार हुए और उन्हें पहन कर चलने की कुछ दिनों की ट्रेनिंग भी पूरी हुई। दोनों ही मित्रों ने आजीवन एक-दूसरे से संपर्क रखने और परस्पर सहयोग के वादे के साथ अपने-अपने शहरों के लिए विदाई दी। आज वे अपने पैरों पर तो मजबूती से खड़े हैं ही, भविष्य की नींव को भी सुदृढ़ करते हुए नई शुरूआत के लिए संस्थान का दिल से आभार मानते हैं। दोनों ही मित्रों ने संस्थान से विदा लेते हुए बताया कि संस्थान ने उनके अंधेरे से घिरे जीवन में हिम्मत और हौंसले का प्रकाश भर दिया है। अब वे आत्मनिर्भरता से शेष जीवन पूर्ण कर सकेंगे।

सक्सेस स्टोरी

आस्था में आशा का संचार

उत्तर प्रदेश के कन्नोज शहर की 14 वर्षीय आस्था सिंह मार्च में अपने माता-पिता के साथ संस्थान में आई। जन्म से ही इनका बांया पांव घुटने से मुड़ा था और दाएं पांव के फब्बे में उंगलिया ही नहीं थी। जबकि दोनों हाथों में उंगलिया थीं, किन्तु मुड़ी हुई थीं। इससे बच्ची को चलने, लिखने व खाने-पीने में तकलीफ होती थी। मामूली सा वजन उठाना भी इसके लिए पहाड़ उठाने जैसा था।

आस्था से बात करने पर उसने बताया कि वह अभी प्रारंभिक शिक्षा ले रहीं हैं, लेकिन जब वह अपनी शारीरिक विकृतियों को देखती हैं तो रोना आ जाता है, वह पढ़-लिखकर समाज को शिक्षित करने का सपना पाले हुए है। अपने ही लोगों के बीच बैठी वह अपने सपनों की बात करती हैं, तो फिर निराश हो जाती है। इसी बीच इसी साल के शुरू में उसके पिता को नारायण सेवा संस्थान में निःशुल्क सर्जरी के माध्यम से इस प्रकार की विकृतियों में सुधार की जानकारी मिली तो उत्साह से आस्था का मन-मयूर नाच उठा।

यहां आने पर डॉक्टरों ने गहन-जांच पड़ताल के बाद क्रमवार विकृत अंगों का ऑपरेशन किया। यहां कुछ दिन माता-पिता के साथ रहीं। भोजन-आवास दवा आदि का एक भी पैसा नहीं लगा। वह बताती हैं कि पहले चलने में कठिनाई होती थी, अब आराम से चलती हूँ। हाथ की उंगलियों के मुड़ाव में सुधार आया है, उम्मीद है कि मैं अब अपना सपना अवश्य पूरा करूंगी। संस्थान ने मेरी निराशा को आशा और उत्साह का कवच प्रदान किया, उसके लिए मैं हृदय से आभारी हूँ।

महंतश्री का दिव्यांगों को आशीष

अयोध्या हनुमानगढ़ी के महंत एवं निर्वाणी अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय महामंत्री श्री सत्यदेव महाराज ने 25 मार्च को संस्थान के निःशुल्क दिव्यांग चिकित्सा शिविर का उद्घाटन किया एवं सेवा प्रकल्पों का अवलोकन किया। संस्थान संस्थापक पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी मानव, अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया और निदेशक श्रीमती वंदना जी अग्रवाल ने उनका पुष्पहार, पाग व उपरणा ओढ़ाकर स्वागत किया। उनके साथ फतह नगर स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर के महंत श्री शिव शंकर दास जी महाराज भी थे। मंहतश्री ने दिव्यांगों के सुखद भविष्य का आशीर्वाद प्रदान किया।

स्वस्थ एवं शिक्षित बालिकाओं से ही सुखी समाज का निर्माण : खंडूजा

रामनवमी पर 501 दिव्यांग कन्याओं का पूजन

संस्थान के तत्वावधान में 6 अप्रैल राम नवमी को मानव मंदिर में प्रातः शुभ मुहूर्त में 501 दिव्यांग कन्याओं के पूजन के साथ नवरात्रि महानुष्ठान संपन्न हुआ। ये बालिकाएं विभिन्न प्रान्तों से निःशुल्क सर्जरी एवं कृत्रिम अंग प्राप्त करने नवरात्रि के दौरान परिजनों के साथ संस्थान में आई थीं।

मुख्य अतिथि इंगरसोल रैंड इंडिया, अहमदाबाद के प्रबन्ध निदेशक श्री सुनील जी खंडूजा, उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रेनू खंडूजा एवं बिटिया सुश्री गौरल खंडूजा थी। संस्थान संस्थापक पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव', श्रीमती कमला देवी जी व अध्यक्ष सेवक प्रशान्त भैया ने उनका भावभीना स्वागत किया। इस अवसर पर खंडूजा परिवार ने कन्याओं को तिलक लगाकर लाल चुनरी ओढाई और उपहार प्रदान कर हलवा-पूड़ी का नैवैद्य अर्पित किया। उन्होंने कहा कि बालिकाओं के शिक्षण-प्रशिक्षण और उनके स्वास्थ्य की देखभाल से ही एक सुखी व सम्पन्न समाज तथा राष्ट्र का निर्माण सम्भव है। उन्होंने कहा कि इस दिशा में सरकारों के साथ सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों और संस्थानों की भी अहम भूमिका है। इंगरसोल रैंड इंडिया इस दिशा में सार्थक सहयोग करेगी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के साथ विशिष्ट अतिथि डॉक्टर विवेक जी गर्ग व विजय जी सिंघला - कैथल, श्री दिनेश जी राठौर, श्री पथिक जी शाह व श्री विशाल जी गज्जर अहमदाबाद ने भी कन्याओं का पूजन कर माता दुर्गा की महाआरती की।

कार्यक्रम में गौरल बिटिया के जन्मदिवस पर उनकी छवि

को रंगोली रूप में चित्रित देख खंडूजा परिवार अत्यंत प्रसन्न हुआ। अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संस्थान द्वारा पिछले 40 वर्षों से दिव्यांगों, निराश्रितों एवं गरीबों के हितार्थ संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों की जानकारी दी। संस्थान संस्थापक पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' ने कहा कि मां दुर्गा की उपासना और कन्याओं के पूजन से समाज को जीवनी शक्ति प्राप्त होती है। यह अवसर हमें नारी सशक्तिकरण के लिए प्रेरित करने वाला है। नारी परिवार ही नहीं सृष्टि की धुरी है। श्रीमती कमला देवी जी ने खंडूजा परिवार को रामनवमी की शुभकामनाएं अर्पीत करते हुए कुशल मंगल की कामनाएं की। मुख्य अतिथि

परिवार को संस्थान के महागंगोत्री प्रभारी रजत गौड़ एवं रोहित तिवारी ने क्रमशः सेवा महातीर्थ एवं मानव मन्दिर में संस्थान के निःशुल्क सेवा प्रकल्पों का अवलोकन करवाया। संयोजन जीतेन्द्र शर्मा ने किया।

हैदराबाद में भी हुआ कन्या पूजन

हैदराबाद के मिनर्वा-गार्डन्स में भी 6 अप्रैल को नवरात्रि के समापन पर मां दुर्गा के नौ स्वरूपों के पूजन के साथ महाआरती अनुष्ठान सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर 9 कन्याओं का पूजन कर उन्हें उपहार भेंट किए गए। मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष श्री गद्दम प्रसाद कुमार, विशिष्ट अतिथि भाजपा नेता श्रीमती नित्या पारीक एवं संस्थान निदेशक श्रीमती वन्दना जी अग्रवाल ने कन्याओं की महाआरती की।

अन्तर्राष्ट्रीय सेवा अवार्ड समारोह-2025

नारायण सेवा संस्थान के तत्वावधान में लियों का गुड़ा स्थित सेवा महातीर्थ परिसर में 30 मार्च को संस्थान सहयोगियों एवं समाजसेवियों का सम्मान समारोह संपन्न हुआ। संस्थान के संस्थापक-चेयरमैन पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव, श्रीमती दिलकी राधाकिशन (डरबन) द.अफ्रीका व श्री रमेश भाई चावड़ा (लीसेस्टर)- लंदन ने दीप प्रज्वलित कर उद्घाटन किया। समारोह में दिव्यांग व कमजोर वर्ग की सेवाओं के लिए श्रीमती इंदु माहेश्वरी दिल्ली, श्री यशवंत लोढ़ा व श्री विशाल लोढ़ा बैंगलुरू, श्री हर्षिल भाई व श्री धनु पटेल (गोधरा) गुजरात, श्री भागीरथ स्वामी (हनुमानगढ़) राजस्थान, श्री रामेश्वर लाल बाजिया (सीकर) राजस्थान, श्रीमती शीला राजगुरू (अहमदाबाद), श्री सुदेश भारद्वाज (अम्बाला) हरियाणा, श्रीमती चंद्रप्रभा गोयल (माहोली) व श्री ज्ञानचंद शर्मा (जयपुर) राजस्थान, को सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर परम पूज्य गुरूदेव श्री कैलाश जी 'मानव' ने अपने उद्बोधन में कहा कि जन्मजात एवं हादसों में

अवार्ड समारोह

सेवा मनीषियों का हुआ सम्मान

हाथ-पैर गंवाने वाले दिव्यांगजन के जीवन को आसान बनाने एवं उनकी प्रतिभा के कौशल विकास में पहल कर न केवल उन्हें सशक्त किया जा सकता है बल्कि इससे संपूर्ण समाज मजबूत होता है। उन्होंने नव संवत्सर एवं राजस्थान दिवस की शुभकामनाएं भी दी।

संस्थान अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने आरंभ में आगंतुकों व सेवा मनीषियों का स्वागत किया। उन्होंने पिछले दिनों देश के नगरों- महानगरों में आयोजित कृत्रिम अंग मापन एवं वितरण शिविरों की जानकारी दी । उन्होंने कहा कि संस्थान वर्ल्ड क्लास कृत्रिम अंग के निर्माण की दिशा में लगातार बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि सेवा और परोपकार के लिए भावना और संवेदना आवश्यक है । कार्यक्रम में निदेशक वंदना जी अग्रवाल ने संस्थान की 40 वर्षीय सेवा यात्रा का जिक्र करते हुए प्रयागराज में संपन्न महाकुंभ के दौरान संस्थान के सेवा शिविर की विस्तृत जानकारी दी। संयोजन महिम जैन ने किया।

आत्मविश्वास ही सफलता की कसौटी : भैया

संस्थान के तत्वावधान में 28 से 31 मार्च तक आयोजित 'अपनो से अपनी बात' कार्यक्रम में अध्यक्ष सेवक प्रशांत भैया ने कहा कि आत्मविश्वास का धनी हर परिस्थिति में अडिग और अविचल रहकर सफलताओं के शिखर चढ़ता है। उसके लिए कुछ भी असंभव नहीं। देश के विभिन्न प्रांतों से निःशुल्क सर्जरी एवं कृत्रिम अंग (हाथ- पैर) प्राप्त करने आए दिव्यांगजन व उनके परिजनों से बातचीत के इस कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि सफलता के लिए एक-एक सीढ़ी चढ़ना होता है, छलांग की कोशिश नीचे गिरा देती है। आत्मविश्वास ही सफलताओं को सुनिश्चित करता है। इसके लिए निराशा, हताशा और नकारात्मक विचारों का त्याग जरूरी है । भगवान श्रीकृष्ण द्वारा कुरूक्षेत्र में अर्जुन को प्रदत्त ज्ञान जीवन की सार्थकता की कसौटी है। जिस पर चलकर मनुष्य अपना जीवन प्रबंधन सुव्यवस्थित कर सकता है। भैया ने कहा कि परमात्मा में हमेशा विश्वास करें। विघ्न और दुख हमें निराश नहीं सचेत करने आते हैं, उनसे घबराएं नहीं। जीवन में किसी चीज की यदि कमी है तो प्रभु ने दूसरी ढेर सारी दूसरी खूबियां भी दी हैं । जिन्हें पहचानें और विकास करें । उन्होंने शाकाहार पर जोर देते हुए कहा कि जीव हत्या करना सबसे बड़ा पाप है । सात्विक खानपान से व्यवहार व विचार शुद्ध रहेगा। क्रोध को नियंत्रित करें , इससे नुकसान ही होगा। जैसा दूसरों को देंगे वैसा ही हम पाएंगे।

चार दिवसीय इस कार्यक्रम के समापन सत्र में प्रशान्त भैया ने चैत्र नवरात्रि के चलते सम्पूर्ण वार्ता को नारी शक्ति को समर्पित करते हुए कहा कि विश्व भर में सामाजिक व आर्थिक बदलाव लाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उन्होंने शिक्षा, चिकित्सा, कृषि, विज्ञान, खेल, व्यापार, अंतरिक्ष सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपनी सफलता का परचम लहराने वाली अनेक महिलाओं का जिक्र करते हुए कहा कि हाल ही में 150 प्रयोग कर नौ माह बाद अंतरिक्ष से लौटी सुनीता विलियम्स इसका ताजा उदाहरण है। भारतीय इतिहास तो महिलाओं की बड़ी भूमिकाओं से भरा पड़ा है। भारत में राष्ट्रपति और मुख्यमंत्री भी महिलाए हैं। उन्होंने बालिका शिक्षा और बेटी बचाओ पर जोर देते हुए कहा कि एक महिला शिक्षित होती है तो वह पूरी पीढ़ी को शिक्षित करती है। वे परिवार, समाज और राष्ट्र का प्रकाश स्तंभ हैं। कार्यक्रम में स्कूली बालिकाओं एवं निःशुल्क सर्जरी तथा कृत्रिम अंग प्राप्त करने देश के विभिन्न प्रान्तों से आए दिव्यांग जन ने भाग लिया एवं अपनी आपबीती व समस्याओं को रखा जिस पर भैया जी ने उचित मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम का 'आस्था' चैनल से देशभर में प्रसारण किया गया।

सेवा यात्रा

झीनी झीनी रोशनी-71

एक दिन वे अपने साथी गिरधारी कुमावत के साथ हिरणमगरी सेक्टर 11 में पारस चौराहे से आगे जा रहे थे। कैलाश जी साईकिल चला रहे थे और गिरधारी पीछे बैठे थे। एकलिंगगढ छावनी के द्वार से गुजरे तो उन्हें सड़क किनारे मैले कपड़ों में लिपटी एक बुढिया नजर आई। वह अर्ध मूर्च्छित थी। जरूर इस बुढिया को कोई न कोई यहां पटक कर गया था। दोनों यह सोच-सोच कर ही हतप्रभ थे कि ऐसा जघन्य कार्य कौन कर सकता है।

कैलाश जी ने बुढ़िया को सहायता पहुँचाने की दृष्टि से वहां से गुजरने वाले लोगों को रोकने की कोशिश की मगर कोई रूकने को तैयार नहीं था। बुढ़िया की हालत देख कर कोई पचड़े में नहीं पड़ना चाहता था। कैलाश जी व गिरधारी दोनों परेशान हो रहे थे कि तभी एक व्यक्ति स्वयं ही वहां रूक गया। उसने हालात जान एक ओटो को रोका, अब सबने मिल उस बुढ़िया को ऑटो में लिटाया। गिरधारी ऑटो में और कैलाश जी साईकिल ले ऑटो के पीछे-पीछे चलने लगे। वह व्यक्ति अपनी राह आगे बढ़ गया।

ऑटो सीधे सेक्टर - 4 स्थित सेटेलाईट अस्पताल रूका। कैलाश जी भी कुछ ही देर में वहां पहुँच गए। बुढ़िया से आती दुर्गन्ध और उसकी दशा देख कर डॉक्टर ने भी हाथ लगाने से इन्कार कर दिया। कैलाश जी ने डॉक्टर से विनती की कि इसके खुद के सगे सम्बन्धी तक इसे सड़क पर डाल गये हैं, एसे में हमारा धर्म बनता है कि हम इसका उपचार करें। कैलाश जी की मिन्नतों का डॉक्टर पर असर नहीं हुआ, उसने कहा इससे इतनी दुर्गन्ध आ रही है, देखें तो कैसे देखें, इसे नहला-धुला कर साफ करके लाओ तो वह देख लेगा।

कैलाश जी का घर पास ही था। कमला जी उनकी प्रतीक्षा कर रही थीं। कैलाश जी ने उन्हें स्त्रियों के कपड़े लेकर अस्पताल बुलवाया तो वे चौंक पड़ी, उन्हें लगा जरूर कोई निकटस्थ दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। उन्होंने कुछ कपड़े लिये और अस्पताल की तरफ दौड़ी। कैलाश जी ने उन्हें सारी बात बताई, बुढ़िया के शरीर से दुर्गन्ध आ रही थी, वह मल मूत्र से लथपथ थी, उसके बालों में भी जुएं अटी पड़ी थी। कमला जी अपने पति की भावनाओं को अच्छी तरह समझती थी इसलिये बिना कोई आगा-पीछा सोचे वह बुढ़िया को नहलाने बैठ गई। बुढ़िया कहने लगी उसके बालों की जुएं तुम्हारे चढ़ जाएंगी तो कमला जी ने निश्चिन्त होकर कहा कि कोई बात नहीं।

बुढिया को नहला-धुला कर साफ कपड़े पहना दिये तो वह प्रसन्न हो गई। डाक्टर ने भी बुढ़िया को देख लिया और उसे अस्पताल में भर्ती कर उसका ईलाज शुरू कर दिया। ईलाज आठ-दस दिन चला। एक दिन अचानक ही वह उठ कर अस्पताल से चली गई। वह कौन थी, कहां रहती थी, उसे सड़क पर कौन पटक गया था, यह सब जानने की जिज्ञासाएं कैलाश जी के मन में ही रह गई।

दिन व्यतीत होते रहे। कैलाश जी का अस्पताल जाकर रोगियों की सेवा-सुश्रुषा करना जारी रहा। अब कभी-कभी उनके साथ गिरधारी भी हो जाता। एक दिन ये दोनों जब अस्पताल से बाहर निकल रहे थे तो ग्रामीणों के एक समूह को अत्यन्त चिन्तामग्न देखा। कैलाश जी इन्हें देख रूक गए और पूछ बैठे कि क्या बात है। उनमें से एक ने बताया कि उसकी लड़की यहां भर्ती है जिसे दो बोतल खून की आवश्यकता है, खून नहीं मिला तो लड़की मर जायगी, यह कहते-कहते उसकी रूलाई फूट पड़ी। कैलाश जी ने उसे सांत्वना दी कि चिन्ता मत करो खून की व्यवस्था हो जायेगी। ग्रामीण कहने लगा- हमें खून कौन देगा? कैलाश जी ने गिरधारी की तरफ इशारा करते हुए कहा कि हम दोनों देंगे।

भारत में संचालित संस्थान की शाखाएं

राजस्थान

पाली
श्री कान्तिलाल मूथा,07014349307
31, गुलजार चौक, पाली मारवाड़

भीलवाड़ा
श्री शिव नारायण अग्रवाल
09829769960 C/o नीलकण्ठ पेपर स्टोर,
L.N.T. रोड़, भीलवाड़ा-311001

बहरोड़
डॉ. अरविन्द गोस्वामी,09887488363
'गोस्वामी सदन' पुराने हॉस्पीटल के सामने
बहरोड़, अलवर (राज.)
श्री भुवनेश रोहिल्ला,मो. 8952859514,
लॉर्डज फैशन पॉईन्ट, न्यू बस स्टैण्ड
के सामने यादव धर्मशाला के पास,
बहरोड़, अलवर

अलवर
श्री आर.एस. वर्मा, 07300227428
के.वी. पब्लिक स्कूल,
35 लादिया,बाग अलवर

जयपुर
श्री नन्द किशोर बत्रा,09828242497
5-C, उन्नति एन्क्लेव, शिवपुरी, कालवाड़
रोड़,झोटवाड़ा, जयपुर 302012

अजमेर
श्री सत्य नारायण कुमावत,09166190962
कुमावत कॉलोनी, आर्य समाज के पीछे,
मदनगंज,किशनगढ़, अजमेर

बूंदी
श्री गिरिधर गोपाल गुप्ता,09829960811,
ए.14, 'गिरधर-धाम', न्यू मानसरोवर
कॉलोनी, चित्तौड़ रोड़, बून्दी

झारखण्ड

हजारीबाग
श्री डूंगरमल जैन
मो.-09113733141
C/o पारस फूड्स, अखण्ड ज्योति ज्ञान
केन्द्र, मेन रोड़ सदर थाना गली,
हजारीबाग

रामगढ़
श्री जोगिन्दर सिंह जग्गी
मो. 7992262641
44ए, छोटकी मुरीम, नजदीक उमा इन्सीट्यूट
राजीव सिनेमा रोड़,
बिजुलिया, रामगढ़

धनबाद
श्री गोपाल कुमार खंडिया,
9608529923, आजाद नगर
भूलीनगर

मध्य प्रदेश

रतलाम
श्री चन्द लाल गुप्ता
मो. 9752492233,मकान नं. 344,
काटजूनगर, रतलाम

जबलपुर
श्री आर. के. तिवारी,मो. 9926660739
मकान नं. 133, गली नं. 2, समदड़िया ग्रीन
सिटी,माढ़ाताल, जिला - जबलपुर

भोपाल
श्री विष्णु शरण सक्सेना
मो. 09425050136, ए-3/302, विष्णु
हाईटेक सिटी, अहमदपुर
रेल्वे क्रॉसिंग के सामने, बावड़िया कलाँ,
होशंगाबाद रोड़ जिला - भोपाल

बखतगढ़
श्री सुरेन्द्र सिंह सोलंकी,08989609714,
बखतगढ़, त.-बदनावर,जि.-धार

महाराष्ट्र

आकोला
श्री हरिश जी, मो.नं. - 9422939767
आकोट मोटर स्टेण्ड, आकोला

परभणी
श्रीमती मंजु दरड़ा-मो. 09422876343

नांदेड़
श्री विनोद लिंबा राठोड,07719966739
जय भवानी पेट्रोलियम,मु. पो. सारखानी,
किनवट, जिला - नांदेड़

पाचोरा
श्री सीताराम जी-मो. 9422775375

मुम्बई
श्रीमती रानी दुलानी,न.-028847991
9029643708,10-बी/बी, वाईसराय
पार्क,ठाकुर विलेज कान्दीवली,मुम्बई

भायंदर
श्री कमलचंद लोढा, मो. 8080083655
ए/103, 'देव आंगन' जैन मन्दिर रोड़
बायन जिनालय मन्दिर के पास,
भायंदर (पश्चिम) ठाणे-401101

हिमाचल प्रदेश

हमीरपुर
श्री ज्ञानचन्द शर्मा,मो. 09418419030
गाँव व पोस्ट - बिघरी, त. बदसर
जिला हमीरपुर - 176040

श्री रसील सिंह मनकोटिया
मो. 09418061161, जामलीधाम,
पोस्ट-रोपा, जिला-हमीरपुर-177001

हरियाणा

कैथल
डॉ. विवेक गर्ग
मो. 9996990807,गर्ग
मनोरोग एवं दांतों का हस्पताल के अन्दर
पद्मा मॉल के सामने करनाल रोड़, कैथल

श्री सतपाल मंगला
मो. 09812003662-3
68-ए, नई अनाज मंडी, कैथल

जुलाना मण्डी
श्री मनोज जिन्दल
मो. 9813707878,108
अनाज मण्डी, जुलाना,जींद

पलवल
श्री वीर सिंह चौहान
मो.9991500251
विला नं. 228, ओमेक्स सिटी,
सेक्टर-14, पलवल

फरीदाबाद
श्री नवल किशोर गुप्ता
मो. 09873722657
कश्मीर स्टेशनरी
स्टोर, दुकान नं. 1डी/12,
एन.आई.टी., फरीदाबाद, हरियाणा

करनाल
डॉ. सतीश शर्मा
मो. 09416121278
ओपीपी. गली नंबर 19, गोविंद
डेयरी मेन रोड़ करण विहार
नियर मेरठ रोड
करनाल 132001

अम्बाला
श्री मुकुट बिहारी कपूर
मो. 08929930548
मकान नं.- 3791, ओल्ड सब्जी मण्डी,
अम्बाला केन्ट-133001

नरवाना
श्री राजेन्द्र पाल गर्ग
मो. 09728941014
165-हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी,
नरवाना, जींद

गोवा

गोवा
श्री अमृत लाल दोषी,मो. 07798917888
'दोषी निवास' जैन मन्दिर के पास,
पजीफोन्ड, मडगांव गोवा-403601

गुजरात

अहमदाबाद
श्री योगेन्द्र प्रताप राघव,मो. 09274595349
म.नं.: बी-77, गोल्डन बंगलो, नाना
चिलोड़ा, अहमदाबाद

उत्तर प्रदेश

बरेली
श्री कुंवरपाल सिंह पुंढीर
मो. 9458681074,विकास पब्लिक
स्कूल के पीछे, स्वरूप नगर (चहवाई)
जिला-बरेली

श्री विजय नारायण शुक्ला
मो. 7060909449,मकान नं.22/10,
सी.बी.गंज, लेबर इण्डस्टीयल कॉलोनी
बरेली

हाथरस
श्री दास बृजेन्द्र,मो.-09720890047
दीनकुटी सत्संग भवन,सादाबाद

हापुड़
श्री मनोज कंसल मो.-09927001112,
डिलाइट टैन्ट हाऊस,कबाड़ी बाजार,हापुड़

गजरौला, अमरोहा
श्री अजय एवं श्रीमती आरती शर्मा
मो.-08791269705
बांके बिहारी सदन, कालरा स्टेट,
गजरौला, अमरोहा-244235

छत्तीसगढ़

दीपका, कोरबा
श्री सूरजमल अग्रवाल,मो. 09425536801

श्री देवनाथ साहू,मो. 09229429407
गांव- बेला कछार, मु.पो. बालको
नगर, जिला-कोरबा

बिलासपुर
डॉ. योगेश गुप्ता,मो.-09827954009
श्रीमन्दिर के पास, रिंग रोड़ नं. 2,
शान्ति नगर, बिलासपुर

बालोद
श्री बाबूलाल संजयकुमार जैन
मो. 9425525000,रामदेव चौक
बालोद, जिला-बालोद

जम्मू/कश्मीर

जम्मू
श्री जगदीश राज गुप्ता,मो. 09419200395
गुरू आशीर्वाद कुटीर, 52-सी
अपर शिव शक्ति नगर जम्मु-180001

दिल्ली

शाहदरा
श्री विशाल अरोड़ा-8447154011
श्रीमान रविशंकर जी अरोड़ा-9810774473
मैसर्स शालीमार ड्राइक्लीनर्स
IV/1461 गली नं. 2 शालीमार पार्क,
D.C.B. ऑफिस के पास,शाहदरा

नारायण दिव्यांग सहायता केन्द्र

महाराष्ट्र

मुम्बई
09529920090,07073452174
09529920088 फ्लेट नं. 5/ई
सुनील कुमार डांकानिया, न्यु ओस्वाल
आंनिक्स, जैसल पार्क, भायन्दर ईस्ट
थाने, 401105

पूणे
09529920093
17/153 मेन रोड, गणेश सुपर मार्केट
गांखले नगर, पूणे-16

राजस्थान

जोधपुर
08306004821
जूनी बागर, महामन्दिर
जोधपुर (राज) 342001

कोटा
07023101172
नारायण सेवा संस्थान, मकान नं.2-बी-5
तलवंडी, कोटा (राज.) 324005

मध्य प्रदेश

ग्वालियर
07412060406, 41 ए ,न्यू शांति नगर,
त्रिवेदी नर्सिंग होम के पीछे,नई सडक,
लश्कर,ग्वालियर 474001

हरियाणा

गुरूग्राम
08306004802, हाउस नं.-1936
जीए,गली नं.-10,राजीव नगर
ईस्ट, माता रोड़, सी.आर.पी.एफ.
कैम्प चौक,गुरुग्राम -122001

हिसार
9257017593,मकान न. 2249,
सेक्टर-14,हिसार 125005

(कर्नाटक)

बेंगलुरू
09341200200,नारायण सेवा संस्थान
40 (12) प्रथम फ्लोर, मॉडल हाउस
कॉलोनी, अपोजिट समना पार्क,
एनआर कॉलोनी, बसवानगुडी,
बेंगलुरु-560004

बिहार

पटना
मो.: 7412060405
मकान नं.-23, किताब भवन रोड
नॉर्थ एस.के. पुरी, पटना-13

वेस्ट बंगाल

कोलकाता
09529920097,मकान नं.- 216, बाँगुर
एवेन्यू, ब्लॉक-बी, ग्राउण्ड फ्लोर, कोलकाता
(पश्चिम बंगाल) पिन कोड-700055

उत्तर प्रदेश

मेरठ
08306004811, 38, श्री राम
पैलेस, दिल्ली रोड,नियर सब्जी
मंडी, माधव पुरम,मेरठ 250002

लखनऊ
09351230395,09351230393
फ्लेट नम्बर 202,गुरूकृपा अपार्टमेंट
न्यू श्रीनगर आलमबाग
लखनऊ 226005 (उ.प्र.)

पंजाब

लुधियाना
07023101153
381/382, बी-17,
गुलाटी डांस क्लास के पास,
भारत नगर, लुधियाना 141001

चण्डीगढ़
07073452176, 08949621058
मकान नंबर 3468 ग्राउंड फ्लोर,
सेक्टर - 46-सी, चंडीगढ़-160047

असम

गुवाहाटी
09529920089,मकान नं. 07,
भुवन भर्य पथ, सीपीडब्ल्यूडी कार्यालय के
सामने, चंद्रमुख सभिया अकादमी के पास,
पोस्ट-आमुनी मैदान, कामरूप मेट्रो,
गुवाहाटी (असम) 781009

गुजरात

सूरत
09529920082,
27, सम्राट टाऊनशिप,सम्राट स्कूल के
पास, परवत पाटीया, सूरत

वडोदरा
09529920081
म. नं.: 1298, वैकुंठ समाज, श्री अम्बे
स्कूल के पास, वाघोडिया रोड,
वडोदरा -390019

अहमदाबाद
09529920080, 08306008208
7/ए कपील कुंज सोसायटी
विजय नगर के पास, मेट्रो स्टेशन
नारंगपुरा, अहमदाबाद (गुजरात)
380016

दिल्ली

रोहिणी
08588835718,
08588835719, बी-4/232
शिव शक्ति मंदिर के पास,सेक्टर-8
रोहिणी, दिल्ली -110085

जनकपुरी, नई दिल्ली
07023101156, 07023101167
सी2/287, 4 फ्लोर, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058

विकासपुरी, नई दिल्ली
09257017592,मकान नं. 342
ब्लॉक-सी, मद्रासी मन्दिर के पास
विकासपुरी 110018

नारायण निःशुल्क फिजियोथेरैपी सेन्टर

उत्तर प्रदेश

हाथरस
07023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे,
अलीगढ़ रोड, हाथरस

मथुरा
07073474438, मकान नं. 212/53,
राधानगर, भारत पेट्रोलियम अधिकारी
आवास बिल्डिग,मथुरा (उ.प्र.)

अलीगढ़
07023101169,एम.आई.जी. -48
विकास नगर, आगरा रोड़,अलीगढ़

मध्य प्रदेश

इन्दौर
09529920087,12, चन्द्रलोक कॉलोनी
खजराना रोड, इंदौर-452018

छत्तीसगढ़

रायपुर
07869916950,मीरा जी राव, म.नं.-29/
500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2
श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

उत्तर प्रदेश

गाजियाबाद
07073474435
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क
फिजियोथेरेपी
सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी
कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

लोनी
07023101163
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क
फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार,
लोनी बम्शला, चिरोंड़ी रोड
(मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी,
गाजियाबाद

आगरा
07023101174
मकान न. 8/153, ई-3,
न्यू लॉयर कॉलोनी,
पानी की टंकी के पीछे,
आगरा (उत्तर प्रदेश)

गुजरात

राजकोट
09529920083, बी-33,
शिव शक्ति कॉलोनी, जेटको टावर
के सामने, यूनिवर्सिटी रोड, राजकोट
360005

उत्तराखण्ड

देहरादून
07023101175, साई लोक कॉलोनी,
गांव कार्बरी ग्रांट,शिमला बाय पास रोड,
देहरादून 248007

दिल्ली

फतेहपुरी
08588835711, 07073452155
6473 कटरा बरियान, अम्बर होटल के
पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

शाहदरा
बी-85, ज्योति कॉलोनी, दुर्गापुरी
चौक, शाहदरा

हरियाणा

अम्बाला
07023101160,सविता शर्मा, 669,
हाऊसिंग बोर्ड कॉलोनी अरबन स्टेट
के पास, सेक्टर-7 अम्बाला

कैथल
8696002432,7023101166,
फॅड कॉलोनी, गली नम्बर 3
करनाल रोड़, हनुमान वाटिका के पास
कैथल (हरियाणा)

राजस्थान

जयपुर
09529920089, बद्रीनारायण वैद
फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर बी-50-51 सनराईज
सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

तेलंगाना

हैदराबाद
09573938038,लीलावती भवन,
4-7-122/123 इसामिया बाजार,
कोठी , संतोषी माता
मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

अपने परिचितों, परिजनों अथवा स्वयं के जन्मोत्सव,
वैवाहिक वर्षगांठ के साथ पुण्यात्माओं की पुण्यतिथि को बनाएं यादगार....

जन्मजात पोलियोग्रस्त दिव्यांगों के ऑपरेशनार्थ सहयोग राशि

ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि	ऑपरेशन संख्या	सहयोग राशि
501 ऑपरेशन के लिए	17,00,000 रू.	40 ऑपरेशन के लिए	1,51,000 रू.
401 ऑपरेशन के लिए	14,01,000 रू.	13 ऑपरेशन के लिए	52,500 रू.
301 ऑपरेशन के लिए	10,51,000 रू.	5 ऑपरेशन के लिए	21,000 रू.
201 ऑपरेशन के लिए	07,11,000 रू.	3 ऑपरेशन के लिए	13,000 रू.
101 ऑपरेशन के लिए	03,61,000 रू.	1 ऑपरेशन के लिए	5,000 रू.

दो जून की रोटी के लिए बेबस निर्धन एवं दिव्यांगों को खिलाएं निवाला

आजीवन भोजन/नाश्ता सहयोग मिति (वर्ष में एक दिवस 50 दिव्यांग एवं निर्धनों के लिए सहयोग हेतु मदद)	
नाश्ता एवं दोनों समय भोजन सहयोग राशि	37,000 रू.
दोनों समय के भोजन की सहयोग राशि	30,000 रू.
एक समय के भोजन की सहयोग राशि	15,000 रू.
नाश्ता सहयोग राशि	7,000 रू.

दुर्घटनाग्रस्त अंगविहीन एवं दिव्यांगों को दें कृत्रिम अंग का उपहार

वस्तु	एक नग सहयोग	तीन नग सहयोग	पांच नग सहयोग	ग्यारह नग सहयोग
तिपहिया साईकिल	5,000 रू.	15,000 रू.	25,000 रू.	55,000 रू.
व्हील चेयर	4,000 रू.	12,000 रू.	20,000 रू.	44,000 रू.
कैलिपर	2,000 रू.	6,000 रू.	10,000 रू.	22,000 रू.
वैशाखी	500 रू.	1,500 रू.	2,500 रू.	5,500 रू.
कृत्रिम अंग (हाथ-पैर)	10,000 रू.	30,0000 रू.	50,0000 रू.	1,10,000 रू.

आशा की नई उड़ान रखने वाले दिव्यांगजनों को बनाएं आत्मनिर्भर

मोबाइल/कम्प्यूटर/सिलाई/मेहन्दी प्रशिक्षण सौजन्य राशि	
1 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 7,500 रू.	3 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 22,500 रू.
5 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 37,500 रू.	10 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 75,000 रू.
20 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 1,50,000 रू.	30 प्रशिक्षणार्थी सहयोग राशि 2,25,000 रू.

शिक्षा से वंचित आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने में करें मदद

एक बालक का 1 माह का शिक्षा सहयोग	1,100 रू.
एक बालक का 1 वर्ष का शिक्षा सहयोग	11,000 रू.
एक बालक का आजीवन पालनहार सहयोग (6 से 18 वर्ष)	1,00,000 रू.

Bank Name : State Bank of India
Account Name : Narayan Seva Sansthan
Account Number : 31505501196
IFSC Code : SBIN0011406
Branch : Hiran Magri, Sector No.4, Udaipur-313001

Donate via UPI
Google Pay PhonePe paytm
narayanseva@sbi

अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान के नाम से संस्थान के खाते में जमा करवाकर हमें सूचित करें

नारायण महावीर
प्राकृतिक चिकित्सालय

राजस्थान का कश्मीर कही जाने वाली झीलों की नगरी उदयपुर से 15 कि. मी. दूर अरावली पर्वतमाला की सुरम्य वादियों के आंचल में लियों का गुड़ा गांव स्थित नारायण सेवा संस्थान के सेवा महातीर्थ परिसर में नारायण महावीर प्राकृतिक चिकित्सालय असाध्य रोगों से ग्रस्त उन महानुभावों को आरोग्य प्रदान कर रहा है जो अन्य चिकित्सा पद्धतियों से निराश हो चुके थे तथा इन रोगों को अपनी नियति मानकर अभिशप्त जीवन जी रहे थे। ऐसे ही निराश महानुभावों को संस्थान में पधार कर स्वास्थ लाभ लेने का सादर आमंत्रण है।

भर्ती होने वाले रोगियों की दिनचर्या प्राकृतिक चिकित्सक के निर्देशानुसार निर्धारित होती है।

रोगी को उनकी स्वास्थ्य समस्याओं के अनुसार आहार चिकित्सा दी जाएगी।

आवास एवं भोजन की सुव्यवस्था।

नेचुरोपैथी के साथ योगा थेरैपी एवं एडवांस एक्यूपंक्चर थेरैपी भी उपलब्ध है।

नई उम्मीद नया सफर

कृत्रिम अंग के साथ जीवन आसान

Donate via UPI

₹10000

narayanseva@sbi

Seva Soubhagya Print Date 1 May, 2025 Registered Newspaper No. RAJBIL/2010/52404 Postal Reg. No. RJ/UD/29-146/2023-2025. Despatch Date 1st to 7th of every month, Chetak Circle Post Office, Udaipur, Published by Sole-Owner, Publisher and Chief Editor Prashant Agarwal from Sevadham, Hiran Magri, Sector-4, Udaipur - 313002 (Raj) Printed at Newtrack Offset Private Limited, Udaipur. Total pages- 20 (No. of copies printed 1,50,000) cost- Rs.5/-